मां की गोद में यूं आराम फरमा रहे लीजा के बेटे

नई दिल्ली, 6 जून (एनडीटीवी)। कंगना रनौट की फिल्म क्वीन में अहम किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस लीजा हेडन पिछले महीने मां बनी हैं।साल की शुरुआत से ही वे अपनी प्रेग्नेंसी की वजह से सुर्खियों में रहीं, 17 मई को उनके बेटे जैक लालवानी का जन्म हुआ। लीजा के साथ जैक की एक नई फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। इसमें नन्हे जैक मां की गोद में आराम फरमाते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर में जैक का चेहरा नहीं दिखाई पड़ रहा है, लेकिन इसमें लीजा स्टनिंग अवतार में नजर आ रही हैं।

जैक के जन्म के बाद लीजा ने अपने पूरे परिवार की फोटो साझा कर फैन्स को बेटे के जन्म की खुशखबरी दी थी। तस्वीर में उनके पति डिनो लालवानी भी नजर आए थे। कुछ दिनों पहले लीजा ने बेटे की एक क्यूट फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी।

शाह 10 को गिरौदपुरी जाएंगे
दर्जन भर बैठक भी लेंगे

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 6 जून। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह का दौरा कार्यक्रम तैयार हो गया है। श्री शाह 10 तारीख को गुरूघासीदास की जन्म स्थली गिरौदपुरी जाएंगे। वे अपने प्रवास के दौरान दर्जन भर बैठकों को संबोधित करेंगे।

श्री शाह 8 तारीख को सुबह साढ़े आठ बजे माना विमानतल पहुंचेंगे। इसके बाद प्रदेश भाजपा कार्यालय में बैठक होगी। इसके बाद वे प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक लेगे। दोपहर मोर्चा प्रकोष्ठों की बैठक होगी। शाम में आजीवन सहयोग निधि की समीक्षा की जाएगी। श्री शाह विशिष्ठ जनों की बैठक लेंगे। इसके बाद सांसद विधायक दल की बैठक लेंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष 9 तारीख को सुबह संघ परिवार के साथ बैठक होगी। यह बैठक जागृति मंडल में होगी। इसके बाद मोदी फेस्ट का उद्घाटन होगा। श्री शाह मंत्री मंडल की बैठक लेंगे। दोपहर बाद वे चुनाव प्रबंधन की टीम और लोकसभा सिटों के विषय में चर्चा करेंगे। वे रात में कोरग्रुप की बैठक लेंगे। 10 तारीख को स्वच्छता कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। इसकी जिम्मेदारी नगरीय प्रशासन मंत्री अमर अग्रवाल को दी गई है। वे प्रदेश अध्यक्ष और अन्य नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

श्री शाह प्रेस कॉन्फ्रेंस लेंगे। दोपहर बाद वे इंडोर स्टेडियम में महिला लाभार्थी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके बाद व्यक्तिगत बैठक होगी। श्री शाह 10 तारीख को दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

सहवाग ने पत्नी संग ट्वीट की तस्वीर, लिखा–बीवीजी मुझे राजा बुलाती हैं..

नई दिल्ली, 6 जून (एनडीटीवी)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने एक बार फिर से पत्नी आरती को लेकर मजाक किया है। उन्होंने आरती के साथ एक तस्वीर ट्वीट करते हुए लिखा है, बीवीजी मुझे राजा बुलाती है। ये एक तरह से शतरंज जैसा है। राजा सिर्फ एक ही कदम चल सकता है जबकि रानी जो चाहे कर सकती है। पोस्ट के साथ सहवाग ने पत्नी आरती के साथ एक तस्वीर भी ट्वीट की है। इसमें वह एक सोफे पर बैठे हैं और उनकी पत्नी बगल में बैठी हैं। इस तस्वीर को अब तक करीब 1600 लोग रिट्वीट कर चुके हैं।

रविवार को कमेंट्री के दौरान पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की चुटकी लेने के बाद सोमवार को उनकी तस्वीर ट्वीट कर चर्चा में बने हुए हैं। वीरेंद्र सहवाग ने दो तस्वीरें ट्वीट की हैं, एक में सौरव गांगुली फर्श पर लेटे हुए हैं और दूसरे में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज लेग स्पिनर शेन वॉर्न सोफा पर सो रहे हैं। इन दोनों तस्वीरों को ट्वीट करते हुए सहवाग ने लिखा, हम अपना भविष्य अपने सपनों से लिखते हैं, और ये दो महान खिलाड़ी अपने सपनों का पीछा कर रहे हैं। सोने का मजा...सहवाग के इस ट्वीट को शेन वार्न से रिट्वीट किया है और लिखा है, हा... हा... !

सहवाग को खुला चैलेंज कर दिया। गांगुली ने सहवाग को 20 जून बारिश ब्रेक के दौरान मुझे मिला। यहां शेन वार्न सोने का मजा लेने की बात कह रहे हैं।

इससे पहले रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले के दौरान सौरव गांगुली और वीरेंद्र सहवाग एक-दूसरे के साथ हंसी मजाक कर रहे थे। इस दौरान गांगुली के करियर के आंकड़ों को लेकर सहवाग ने चुटकी ली, जिसके बाद क्रिकेट के दादा यानी गांगुली ने को यानी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल के बाद 100 मीटर दौड़ का चैलेंज दिया है। गांगुली चैलेंज देने तक नहीं रूके, बल्कि उन्होंने सहवाग के फिटनेस पर चटखारे लेकर कहा कि सहवाग को दो फीजियो की सेवाएं भी दी जाएंगी।

दोनों दिग्गज क्रिकेटरों के बीच जब कमेंट्री बॉक्स में चर्चा चल रही थी। उस दौरान पाकिस्तान के दो विकेट भी गिर गए।

मप्र में किसानों का उग्र प्रदर्शन...

(पहले पेज से आगे)

जबकि घायलों के परिजनों को 1 लाख की राशि दी जाएगी।

पुलिस ने वहां से खदेड़ा तो भीड़ नीमच-इंदौर राजमार्ग पहुंची और चक्काजाम कर पथराव शुरू कर दिया। स्थिति पर नियंत्रण करने के लिए पुलिस ने कई राउंड फायरिंग की जिसमें पांच-छह लोग घायल हो गए। मामले को लेकर पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने चुप्पी साध ली है। मंदसौर जिला कलेक्टर ने बताया कि पिपल्यामंडी थाना क्षेत्र में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

किसानों-व्यापारियों में टकराव

इससे पहले उग्र किसान पिपल्यामंडी में पथराव और आगजनी करते हुए दुकानें बंद कराने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान एक व्यापारी से उनकी झड़प हो गई और दोनों पक्षों में मारपीट हुई। प्रदर्शनकारियों ने दुकानों के बाहर रखे टायरों समेत कुछ और सामान जला दिए तो पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इसके बाद उग्र किसानों ने दलौदा में एक रेलवे फाटक को क्षतिग्रस्त कर दिया और पटरियां उखाड़ने की कोशिश की। सुवासरा में भी दोनों पक्षों में टकराव की खबरें हैं।

इंटरनेट सेवाएं बंद

मंदसौर में किसानों पर पुलिस की फायरिंग के बीच प्रशासन ने इलाके में इंटरनेट सेवाओं पर बैन लगा दिया है। मंदसौर, रतलाम और उज्जैन में इंटरनेट सेवा पूरी तरह बंद कर दी गई है। साथ ही बल्क मैसेज करने पर भी पाबंदी लगा दी गई है।

आंदोलन बढ़ाने की चेतावनी

किसानों के प्रदर्शन के चलते प्रदेश में दूध, सब्जी सहित अन्य रोजमर्रा की चीजों के दाम आसमान छूने लगे हैं। इस बीच राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ ने आंदोलन को और बड़ा रूप देने की चेतावनी दी है। किसान मजदूर संघ ने बुधवार को प्रदेशव्यापी बंद का ऐलान किया है। इसके विरोध में व्यापारियों ने भी अनिश्चितकाल के लिए शहर को बंद कर दिया है।

जांच के आदेश

मध्य प्रदेश के गृह मंत्री भूपेंद्र सिंह ने पुलिस फायरिंग से इनकार करते हुए इसकी जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा कोई फायरिंग नहीं हुई और ना ही सरकार ने इंटरनेट पर कोई प्रतिबंध लगाया है। गृह मंत्री ने इलाके में कर्फ्यू लगाने की बात से भी इनकार किया है।

असमंजस में किसान

प्रदेश के किसानों ने एक से 10 जून तक आंदोलन करने का ऐलान किया था। लेकिन भारतीय किसान संघ और मध्य प्रदेश किसान सेना ने सीएम शिवराज सिंह से मुलाकात के बाद आंदोलन को खत्म करने की घोषणा की थी। लेकिन राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ जैसे दूसरे संगठन अब भी आंदोलनरत हैं। मुख्यमंत्री ने किसानों के इस कदम की आलोचना भी की थी।

सूने घर से दिनदहाड़े साढ़े 4 लाख की चोरी

छत्तीसगढ़ संवाददाता

पिथौरा, 6 जून। लहरौद राष्ट्रीय राज मार्ग स्थित अलोक मिश्रा नामक व्यक्ति के सूने घर से आज दोपहर चोरों ने 4 लाख के सोने-चांदी के जेवर 50 हजार नगद पार कर दिए। समाचार लिखे जाने तक पिथौरा पुलिस एवं क्राइम ब्रांच की टीम घटनास्थल पर पड़ताल में लगी हुई थी।

लहरौद पिथौरा निवासी अलोक मिश्रा अपनी पत्नी के साथ महासमुंद गया था। दोपहर साढ़े 12 बजे लौटे तब उन्हें घर के सामने का दरवाजा अंदर से बंद मिला। उसके बाद पीछे से जाकर देखा तब दरवाजा खुला मिला और अंदर कमरे की अलमारियां अस्त-व्यस्त दिखाई दी। अलोक को चोरी का अहसास होते ही पुलिस को सुचना दी गयी। परिजनों के अनुसार घर में रखे कोई 50 हजार रुपये एवम अलमारी में रखे सोने के जेवरात में 2 सोने के कंगन,2 बड़े सोने के चैन,1 मंगल सूत्र,5 नग सोने की अंगूठी,और चांदी के पायल चोरी होने का पता चला है। अभी भी परिजन सामान चोरी की लिस्ट बनाने जुटे हैं।

ज्ञात हो कि पिथौरा थाना क्षेत्र में कोई आधा दर्जन से ज्यादा घरों में दिनदहाड़े लाखों की चोरियां हुई हैं। परंतु पुलिस अब तक एक भी मामले को सुलझाने में सफल नहीं हो पाई है।

पहले पेज से आगे

गुड़गांव में ऑटो में गैंगरेप

महिला आईएमटी मानेसर के पास के एक गांव की रहने वाली है। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या और रेप का मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

चारा घोटाला, लालू सीबीआई अदालत में पेश

सीबीआई ने 1996 में इस संबंध में मामला दर्ज किया था, जिसके बाद एजेंसी ने लालू प्रसाद और मिश्रा समेत 44 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था।

सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले महीने झारखंड उच्च न्यायालय के एक फैसले को दरकिनार करते हुए लालू पर चारों चारा घोटाला मामलों में मुकदमा चलाने का आदेश दिया था। झारखंड उच्च न्यायालय ने लालू के खिलाफ आपराधिक साजिश का आरोप रद्द कर दिया था। चारा घोटाला पशुपालन विभाग द्वारा विभिन्न जिलों से 900 करोड़ रुपयों की अवैध निकासी से संबंधित है। इस दौरान लालू प्रसाद मुख्यमंत्री थे।

1 जुलाई से जीएसटी लागू नहीं कर पाएंगे देश के सभी राज्य ?

बैठक में भी उठाया था। जीएसटी संविधान संशोधन के मुताबिक सभी राज्यों को 15 सितंबर, 2017 से पहले राज्य विधानसभाओं से राज्य जीएसटी को पारित कराना है।

केंद्र सरकार को जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) को सुरक्षा मंजूरी देने के बारे में भी अभी फैसला करना है और वह इससे जुड़े विभिन्न मुद्दों की समीक्षा कर रहा है। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, हम जीएसटीएन मुद्दे की अभी समीक्षा कर रहे हैं। जीएसटीएन प्रस्तावित अप्रत्यक्ष कर प्रणाली जीएसटी के लिए सूचना प्रौद्योगिकी ढांचा प्रदान करने वाली प्रमुख कंपनी है। जीएसटीएन नॉट फोर प्राफिट निजी कंपनी है जिसमें 51 प्रतिशत हिस्सेदारी पांच निजी संस्थानों एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लिमिटेड, आईसीआईसीआई बैंक, एनएसई स्ट्रेटेजिक इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन व एलआईसी हाउसिंग फिनांस की है। केंद्र सरकार की इसमें 24.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

अप्रत्यक्ष करों की नई प्रणाली जीएसटी को चलाने के लिये सूचना प्रौद्योगिकी का पूरा नेटवर्क उपलब्ध कराने वाली कंपनी जीएसटी नेटवर्क के बारे में स्थिति स्पष्ट करते हुये वित्त मंत्री जेटली कह चुके है कि भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा इसकी लेखापरीक्षा की जायेगी।

भारतीय जनता पार्टी के अपने साथी सांसद सुब्रमणियम स्वामी की चिंताओं को दरकिनार करते हुये जेटली ने जीएसटी नेटवर्क कंपनी यानी जीएसटीएन के इक्विटी ढांचे का बचाव किया और कहा कि वह इसमें सरकारी इक्विटी 49 प्रतिशत रहने में कुछ भी गलत नहीं पाते हैं। स्वामी जीएसटीएन के इक्विटी ढांचे को लेकर बार बार एतराज व्यक्त करते रहे हैं। स्वामी ने मौजूदा इक्विटी ढांचे के तहत जीएसटीएन को संदेहास्पद संगठन बताया और कहा कि इसमें बड़ा सुरक्षा खतरा है।

भाजपा की तबाही बन सकता है किसान आंदोलन-

यलगार भाजपा के लिए तबाही पैदा करेगा। शिवसेना ने कहा है कि यह किसानों के अधिकार की लड़ाई की शुरूआत है और यह लड़ाई उस समय तक जारी रहेगी जब तक कि सरकार किसानों की अंतिम मांग को स्वीकार नहीं कर लेती है। इसमें कहा गया है कि शिवसेना इस हड़ताल का समर्थन अंत तक जारी रखेगी। उन्होंने कहा है कि हड़ताल के दौरान हुए हिंसक प्रदर्शन की घटनाओं को सरकार की उदासीनता के प्रति किसानों के गुस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। इसमें कहा गया है, क्या अब किसानों को समझा जाएगा। इस संपादकीय में कहा गया है कि सरकार धीरे-धीरे किसानों की एकता की चुभन महसूस करेगी और किसानों की पूर्ण कर्ज मांफी की मांग और उन्हें कृषि उपज का सही मूल्य देने के लिए विवश होगी।

काबुल में भारतीय दूतावास पर आतंकी हमला

ये हमले किसने किया, अभी तक इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। ये हादसा ऐसे वक्त हुआ जब पूरी राजधानी में सुरक्षा हाई अलर्ट पर है।

इससे पहले 31 मई को राजधानी काबुल में भारतीय दूतावास के पास शक्तिशाली बम धमाका हुआ था। इस धमाके में करीब 150 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 325 से ज्यादा लोगों के घायल हो गये थे। हालांकि, उस धमाके में भारतीय दूतावास के सभी कर्मचारी सुरक्षित थे।

अफगानिस्तान में इससे पहले मजार-ए-शरीफ स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास को निशाना बनाया गया था। दूतावास पर बंदूकधारियों ने हमला किया था। हालांकि, हमलावर दूतावास के अंदर नहीं घुस पाए थे, लेकिन उन्होंने दूतावास के बगल वाली इमारत से करीब आधा घंटे तक फायरिंग की थी। इस हमले दूतावास के सभी अधिकारी और कर्मचारी सुरक्षित थे।

पेज 12 से आगे

एसडीएम संतोष देवांगन को 7 साल कैद

उसके बाद उसी आदेश में फेरबदल करते हुए सरकार को हानि पहुंचाने की बात कहते हुए वालिया को दोष मुक्त कर दिया।

जिसकी शिकायत कमलेश शुक्ला ने ईओडब्ल्यूएसीबी से की थी। इस मामले में संतोष देवांगन को 2015 में बलौदाबाजार एसीबी ने गिरफ्तार किया था। उस दौरान भी वह 15 दिन जेल में रहे। उसी मामले में आज षष्ठम न्यायाधीश पंकज शर्मा की अदालत ने उन्हें दोषी मानते हुए सात साल कैद और 1 लाख पच्चास हजार जुर्माना की सजा सुनाई है।

पेज 7 से आगे

गंगा, मैया नहीं हमारा राष्ट्रीय डस्टबिन है

फैसले में बताया गया था कि दोनों विभाग मिलकर पूरा गड़बड़झाला चला रहे थे। दो विशुद्ध विरोधी सरकारों का एक साथ मिलकर इसपर आना दिखाता है कि हम गंगा के प्रदूषण के लिए कितना उत्साहित हैं।

अगर प्लानिंग के स्तर पर बात करें तो 2015 में वित्तमंत्री अरुण जेटली ने कहा था कि गंगा के किनारे रहने वाले तमाम लोगों को टॉयलेट इस्तेमाल करने चाहिए। गंगा के किनारे स्वच्छ भारत अभियान के तहत तमाम टॉयलेट बने भी हैं। मगर इनमें ज्यादातर में कोई सीवेज सिस्टम नहीं है। टॉयलेट का मतलब चार दीवारें खड़ी करके उसमें एक सिरेमिक सीट रखना नहीं होता।

अगर प्रदूषण पर काम करने वाली संस्थाओं की माने तो इन तुरत-फुरत बने शौचालयों से गंगा का प्रदूषण बढ़ा ही है कम नहीं हुआ हैं। ऊपर से जब गंगा की सफाई का जिम्मा उठाए उमा भारती कहती हैं कि विद्युत शवदाह की व्यवस्था लोगों की आस्था के चलते नहीं की जाएगी तो अंदाजा हो जाता है कि हमारे निजाम गंगा सफाई के लिए कितना उत्सुक है।

छोड़िए ये सब जब तक गंगा जल डुबकी लगाने लायक लगता रहे तब तक उसमें पाप धोते रहिए, हो सकता है कि किसी दिन काशी के घाट पर क्योटो मिल जाए। तब तक जय गंगा मैया। (फर्स्टपोस्ट)

गंगा अभियानों से नहीं अपने उस धर्म पर चलने...

हरेक को नदी जोड़ना एक जरुरी काम लगने लगता है। बड़े-छोटे सारे दल, बड़ी-छोटी अदालतें, अखबार, टीवी भी बस इसी तरह की योजनाओं को सब समस्याओं का हल मान लेते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि जरुरत पड़ने पर प्रकृति ही नदियां जोड़ती है। इसके लिए वह ठेका नहीं देती। कुछ हजार-लाख बरस तपस्या करती है। तब जाकर गंगा-यमुना इलाहाबाद में मिलती हैं। कृतज्ञ समाज तब उस स्थान को तीर्थ मानता है। इसी तरह मुहाने पर प्रकृति नदी को न जाने कितनी धाराओं में तोड़ भी देती है। बिना तोड़े नदी का संगम, मिलन सागर से हो नहीं सकता। तो नदी जोड़ना, तोड़ना उसका काम है। इसे हम नहीं करें। करेंगे तो आगे-पीछे पछताना भी पड़ेगा।

आज क्या हो रहा है ? नदी में से साफ पानी जगह-जगह बांध, नहर बनाकर निकालते जा रहे हैं। सिंचाई, बिजली बनाने और उद्योग चलाने के लिए। विकास के लिए। बचा पानी तेजी से बढ़ते बड़े शहरों, राजधानियों के लिए बड़ी-बड़ी पाईप लाइन में डालकर चुराते भी जा रहे हैं।

यह भी नहीं भूलें कि अभी तीस-चालीस बरस पहले तक इन सभी शहरों में अनगिनत छोटे-बड़े तालाब हुआ करते थे। ये तालाब चौमासे की वर्षा को अपने में संभालते थे और शहरी क्षेत्र की बाढ़ रोकते थे और वहां का भूजल उठाते थे। यह ऊंचा उठा भूजल फिर आने वाले आठ महीने शहरों की प्यास बुझाता था। अब इन जगहों पर जमीन की कीमत आसमान छू रही है। इसलिए बिल्डर-नेता-अधिकारी मिल-जुल कर पूरे देश के सारे तालाब मिटा रहे हैं। महाराष्ट्र में अभी भीषण अकाल की स्थिति है लेकिन कुछ समय पहले पुणे, मुंबई में मानसून की एक ही दिन की वर्षा में बाढ़ आ गई थी।

नदी से सारा पानी विकास के नाम पर निकालते रहें, जमीन की कीमत के नाम पर तालाब मिटाते जाएं, और फिर सारे शहरों, खेतों की सारी गंदगी, जहर नदी में मिलाते जाएं। फिर सोचें कि अब कोई नई योजना बनाकर हम नदी भी साफ कर लेंगे।

इंद्र का एक सुंदर पुराना नाम, एक पर्यायवाची शब्द है पुरंदर। यानी पुरों को, किलों को, शहरों को तोड़ने वाला। यदि हमारे शहर इंद्र से मित्रता कर उसका पानी रोकना नहीं जानते तो फिर वह पानी बाढ़ की तरह हमारे शहरों को नष्ट करेगा ही। यह पानी बह गया तो फिर गर्मी में अकाल भी आएगा ही। यह हालत सिर्फ हमारे यहां नहीं, सभी देशों में हो चली है। थाईलैंड की राजधानी कुछ वर्ष पहले छः महीने बाढ़ में डूबी रही थी।

वापस गंगा पर लौटें। कुछ साल पहले की उत्तराखंड की बाढ़ की, गंगा की बाढ़ की, टीवी पर चल रही खबरों को एक बार फिर याद करें। नदी के धर्म को भूलकर हमने अपने अहम् के प्रदर्शन के लिए तरह-तरह के भद्दे मंदिर बनाए, धर्मशालाएं बनाईं, नदी का धर्म सोचे बिना। बाढ़ में मूर्तियां ही नहीं, सब कुछ गंगा अपने साथ बहा ले गई।

तो नदी से सारा पानी विकास के नाम पर निकालते रहें, जमीन की कीमत के नाम पर तालाब मिटाते जाएं, और फिर सारे शहरों, खेतों की सारी गंदगी, जहर नदी में मिलाते जाएं। फिर सोचें कि अब कोई नई योजना बनाकर हम नदी भी साफ कर लेंगे। नदी ही नहीं बची। गंदा नाला बनी नदी साफ होने से रही। गुजरात के भरूच में जाकर देखिए रसायन उद्योग ने विकास के नाम पर नर्मदा को किस तरह बर्बाद किया है।

नदियां ऐसे साफ नहीं होंगी। हमें हर बार निराशा ही हाथ लगेगी। तो क्या आशा बची ही नहीं ? ऐसा नहीं है। आशा है, पर तब जब हम फिर से नदी धर्म ठीक से समझें। विकास की हमारी आज जो इच्छा है, उसकी ठीक जांच कर सकें। बिना कटुता के। गंगा को, हिमालय को कोई चुपचाप षड्यंत्र करके नहीं मार रहा। ये तो सब हमारे ही लोग हैं। विकास, जीडीपी, नदी जोड़ो, बड़े बांध सब कुछ हो रहा है। हजारों लोग षड्यंत्र नहीं करते। कोई एक चुपचाप करता है गलत काम। इसे तो विकास, सबसे अच्छा काम मानकर सब लोग कर रहे हैं। पक्ष भी, विपक्ष भी सभी मिलकर इसे कर रहे हैं। यह तो सर्वसम्मति है गंगा को मिटाने की। इसे पहले की तरह गंगा को बचाने की सर्वसम्मति बनाना होगा। (सत्याग्रह)

पेज 9 से आगे

अब कतर के विमान अरब आसमान में नहीं

इससे पहले इन चार अरब देशों ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी की विवादास्पद टिप्पणी प्रसारित करने वाली अल जजीरा नेटवर्क की समाचार वेबसाइट पर रोक लगा दी थी।

जबकि कतर का कहना है कि शेख तमीम के हवाले से चलाई गई टिप्पणी फर्जी थी और समाचार एजेंसी को हैक करने के बाद ये इंटरनेट पर आई थी। कतर के शेख की विवादित टिप्पणी ने कई संवेदनशील क्षेत्रीय मुद्दों को छेड़ा था लेकिन सबसे ज्यादा नाराजगी इसमें सऊदी अरब के धुर विरोध ईरान की तारीफ और सउदी अरब की निंदा से थी।

रिपोर्टों के मुताबिक शेख तमीम ने कहा था कि ईरान से अरबों की दुश्मनी का कोई कारण नहीं है और इसरायल से हमारे रिश्ते अच्छे हैं। इस बयान में ईरान के समर्थक लेबनान आधारित शिया आंदोलन हिज्बुल्लाह गुट के पक्ष में भी टिप्पणी की गई थी।

कतर की तरफ से इस टिप्पणी को फर्जी बताए जाने के बाद भी सऊदी मीडिया में इस पर रिपोर्टें आती रहीं। कतर के विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने कहा था कि हैकिंग के दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इसे कतर के खिलाफ मीडिया में चलाया जा रहा अभियान बताया था।

तेल और गैस के मामले में कतर काफी समृद्ध है जिसकी राजनयिक मामलों में भूमिका मुखर होती रही है। प्रभावशाली अलजजीरा न्यूज नेटवर्क भी कतर में स्थित है जो सारी दुनिया में प्रसारण करता है और जिसके प्रति सऊदी अरब और खाड़ी के अन्य देशों का रवैया आलोचना भरा रहा है।

सऊदी अरब ऐतिहासिक तौर पर छह देशों को गल्फ को-ऑपरेशन काउन्सिल का नेतृत्व करता रहा है और कतर की सरकार से मीडिया के पर कतरने के लिए कई समझौते कर चुका है। अल जजीरा का झुकाव मिस्र के इस्लामिक ताकतों की तरफ रहा है और मिस्र के अपदस्थ पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद मोर्सी को हटाए जाने को सेना का तख्तापलट कहता रहा है।

मिस्र में अल जजीरा के पत्रकारों पर कार्रवाई भी जा चुकी है। अल जजीरा काफी लोकप्रिय है लेकिन आलोचक इसे कतर की विदेश नीति का एक औजार मानते हैं जो शायद ही कभी कतर की सरकार के हितों को चुनौती दे।

सहरी छोड़ आतंकी मारने निकल गए

गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों की तारीफ की। राजनाथ सिंह ने हमला नाकाम करने में सीआरपीएफ कमांडेंट इकबाल अहमद की बहादुरी का विशेष रूप से जिक्र किया। साथ ही उन्होंने कंपनी कमांडर शंकरलाल जाट और पंकज हल्लू के अलावा गार्ड कमांडर पंकज कुमार की भी तारीफ की। कांस्टेबल दिनेश राजा और प्रफुल्ल कुमार की बहादुरी को भी गृहमंत्री ने सराहा।

गहराते संकट को देख कुवैत ने की कतर को लिफ्ट करने की कोशिश

नई दिल्ली, 6 जून (आज तक)। सऊदी अरब, बहरीन, मिस्त्र और संयुक्त अरब अमीरात ने कतर से रिश्ते खत्म करने का ऐलान कर दिया था। जिसके बाद उपजे संकट को देखते हुए कुवैत सामने आया है। कतर के विदेश मंत्री मुहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने कहा कि कुवैत इस मामले में मध्यस्थता का प्रयास कर रहा है। विदेश मंत्री ने कहा है कि अरब देशों द्वारा दोहा के साथ रिश्ते खत्म करने के बाद उपजे संकट को सुलझाने में कुवैत मध्यस्थता करने की कोशिश कर रहा है।

कतर के मंत्री ने मंगलवार सुबह कहा है कि कुवैत के शासक ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हम्माद अल थानी को संकट पर संबोधन देने से रूकने को कहा है।

विदेश मंत्री शेख मुहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी ने दोहा आधारित समाचार नेटवर्क अलजजीरा को बताया है कि उनका देश उन्हें खारिज करता है जो अपनी इच्छा कतर पर थोपने का प्रयास कर रहे हैं। उनका देश उन देशों से दूर रहेगा जो इसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे हैं।

बहरीन, अरब के देशों में मिस्त्र, सउदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने सोमवार को कतर के साथ संबंध खत्म कर लिए थे, यहां तक की उन देशों ने कतर के विमान और जहाज के लिए अपनी जमीन, समुद्र और हवाई अड्डे बंद करने के आदेश दिए थे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई, जिला-दुर्ग

मामला क्रमांक / / अ/6 सन् 2016-17

उद्घोषणा-पत्र

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय कुमार सिंह आ. ए.एस. ठाकुर साकिन वैशाली नगर भिलाई तह. व जिला दुर्ग के द्वारा अपने भूमि स्वामी हक की क्रयशुदा भूमि ग्राम कोहका प.ह.नं.19 रा.नि.म. दुर्ग-1 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 7687/6 का टु. रकबा 1350 वर्गफीट, 0.01 हे. हेक्टेयर भूमि को पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर विक्रेता रामसखी आ. सुरेश सिंह निवासी आमदी नगर हुड़को के नाम से पृथक कर आवेदक का नाम पटवारी अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन पेश किया है। जिसका प्रकरण विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था इस संबंध में आपत्ति दावा या ऊजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 22.6.17 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या ऊजर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04.06.17 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार
उप तहसील, भिलाईनगर
जिला-दुर्ग (छ.ग.)
मुहर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर दुर्ग, जिला-दुर्ग

मामला क्रमांक / / अ सन् 2016-2017

उद्घोषणा-पत्र

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार विषयांतर्गत लेख है आवेदक गोपी सोनी आ. लक्ष्मीनारायण सोनी अन्य निवासी कुरूद भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा मौजा कुरूद प.ह.नं. 14/19 रा.नि.म. दुर्ग-1 तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि पुराना खसरा नंबर 590/1-2 का टुकड़ा नया खसरा नम्बर 12881/1 रकबा 0.110 हेक्टेयर भूमि किया है। क्रय दिनांक से आवेदकगणों का कब्जा व आधिपत्य में है।

अतः पुराना खसरा नम्बर 590/1-2 का टुकड़ा नया खसरा नम्बर 12881/1 रकबा 0.110 हेक्टेयर भूमि पर से अनावेदकगणों का नाम भू-अभिलेख से नाम विलोपित करते हुए आवेदकगणों के नाम नाबालिक से बालिक दर्ज करने हेतु दस्तावेज मय आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था इस संबंध में आपत्ति दावा या ऊजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 14.6.17 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या ऊजर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 02.06.17 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदा
भिलाईनगर जिला दुर्ग
मुहर